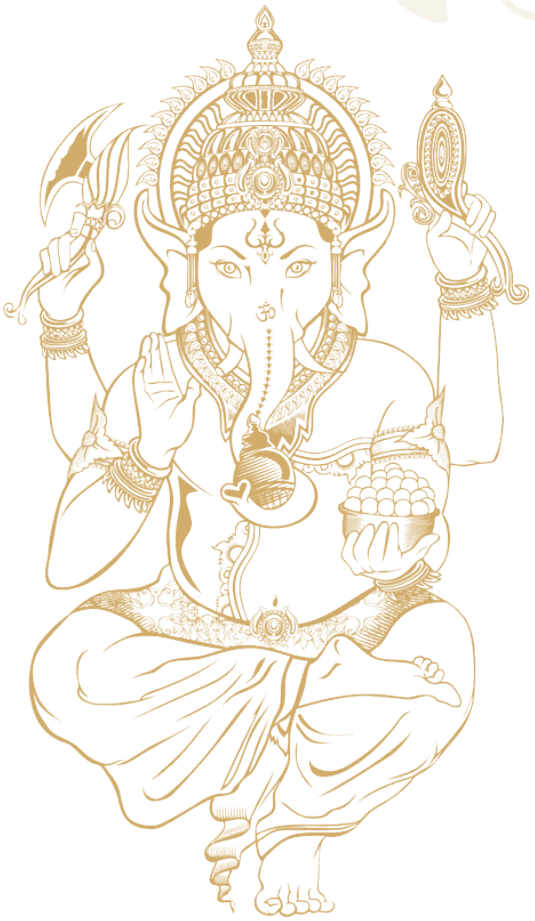

Gudiya

01 Mar 2026

07:33 AM

Beawar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121492103

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**01/03/2026**
दिन	रविवार
जन्म समय	**07:33:00 घंटे**
इष्ट	01:28:10 घटी
स्थान	**Beawar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:02:00 उत्तर
रेखांश	74:02:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:33:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:59:08 घंटे
वेलान्तर	-00:12:21 घंटे
साम्पातिक काल	17:34:43 घंटे
सूर्योदय	06:57:44 घंटे
सूर्यास्त	18:35:05 घंटे
दिनमान	11:37:22 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	16:16:03 कुम्भ
लग्न के अंश	27:03:33 कुम्भ

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कुम्भ - शनि
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शोभन
करण	कौलव
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डा-डालचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कुंभ	27:03:33	496:15:52	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			कुंभ	16:16:03	01:00:13	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			कर्क	16:04:42	13:50:47	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	स्वराशि
मंगल		अ	कुंभ	04:35:12	00:47:17	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
बुध	व		कुंभ	27:42:41	00:26:26	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	21:01:42	00:01:58	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	29:05:48	01:14:48	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	मित्र राशि
शनि			मीन	07:30:35	00:07:09	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:45:27	00:00:02	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:45:27	00:00:02	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:30:35	00:01:18	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:49:21	00:02:09	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:18:40	00:01:37	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			वृश्चि	29:58:35	--	ज्येष्ठा	--	18	मंगल	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:28

लग्न-चलित

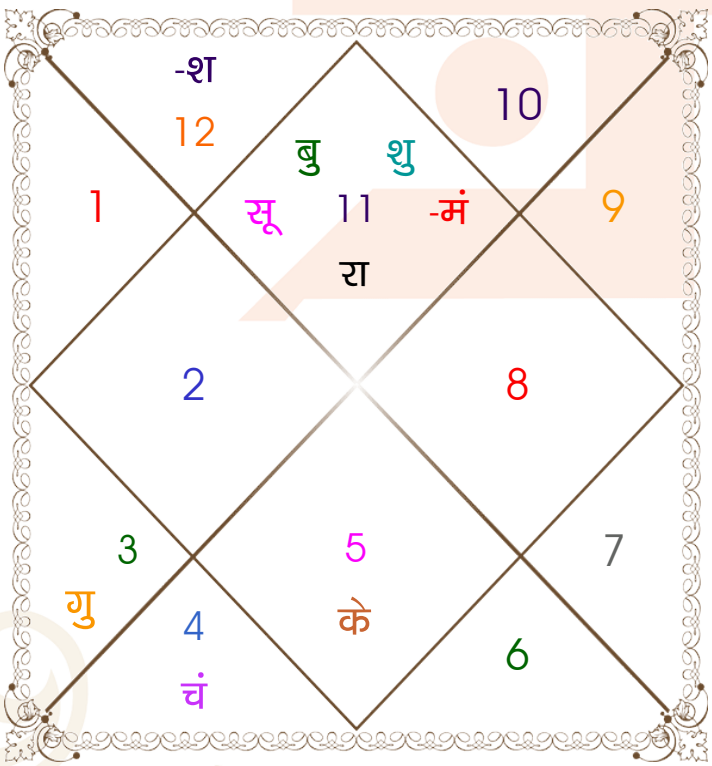

चन्द्र कुंडली

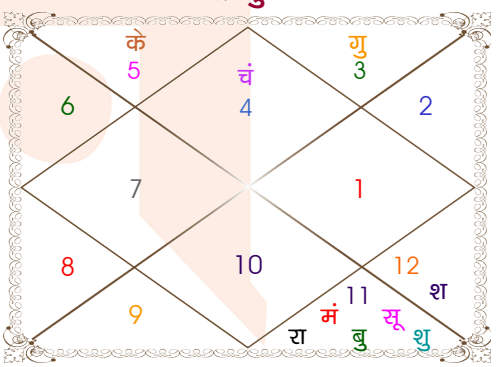

नवमांश कुंडली

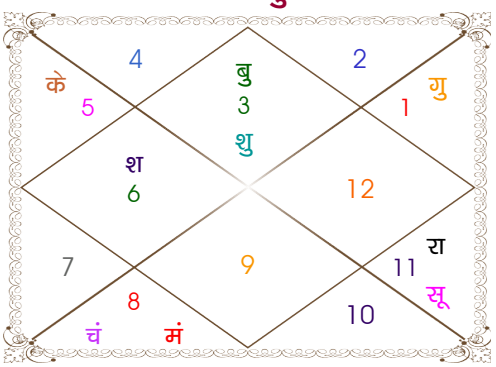

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 0 वर्ष 10 मास 1 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
01/03/2026		01/01/2027		01/01/2044		01/01/2051		01/01/2071	
01/01/2027		01/01/2044		01/01/2051		01/01/2071		01/01/2077	
	00/00/0000	बुध	30/05/2029	केतु	29/05/2044	शुक्र	03/05/2054	सूर्य	21/04/2071
	00/00/0000	केतु	27/05/2030	शुक्र	30/07/2045	सूर्य	03/05/2055	चंद्र	20/10/2071
	00/00/0000	शुक्र	27/03/2033	सूर्य	04/12/2045	चंद्र	01/01/2057	मंगल	25/02/2072
	00/00/0000	सूर्य	31/01/2034	चंद्र	05/07/2046	मंगल	03/03/2058	राहु	19/01/2073
	00/00/0000	चंद्र	03/07/2035	मंगल	02/12/2046	राहु	02/03/2061	गुरु	07/11/2073
	00/00/0000	मंगल	29/06/2036	राहु	20/12/2047	गुरु	01/11/2063	शनि	20/10/2074
	00/00/0000	राहु	16/01/2039	गुरु	25/11/2048	शनि	01/01/2067	बुध	26/08/2075
	01/03/2026	गुरु	23/04/2041	शनि	04/01/2050	बुध	01/11/2069	केतु	01/01/2076
गुरु	01/01/2027	शनि	01/01/2044	बुध	01/01/2051	केतु	01/01/2071	शुक्र	01/01/2077

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
01/01/2077		01/01/2087		01/01/2094		02/01/2112		02/01/2128	
01/01/2087		01/01/2094		02/01/2112		02/01/2128		02/03/2146	
चंद्र	01/11/2077	मंगल	30/05/2087	राहु	13/09/2096	गुरु	19/02/2114	शनि	05/01/2131
मंगल	02/06/2078	राहु	17/06/2088	गुरु	07/02/2099	शनि	02/09/2116	बुध	14/09/2133
राहु	02/12/2079	गुरु	24/05/2089	शनि	14/12/2101	बुध	09/12/2118	केतु	24/10/2134
गुरु	02/04/2081	शनि	02/07/2090	बुध	03/07/2104	केतु	15/11/2119	शुक्र	24/12/2137
शनि	01/11/2082	बुध	30/06/2091	केतु	21/07/2105	शुक्र	16/07/2122	सूर्य	06/12/2138
बुध	02/04/2084	केतु	26/11/2091	शुक्र	21/07/2108	सूर्य	04/05/2123	चंद्र	06/07/2140
केतु	01/11/2084	शुक्र	25/01/2093	सूर्य	15/06/2109	चंद्र	02/09/2124	मंगल	15/08/2141
शुक्र	02/07/2086	सूर्य	02/06/2093	चंद्र	15/12/2110	मंगल	09/08/2125	राहु	21/06/2144
सूर्य	01/01/2087	चंद्र	01/01/2094	मंगल	02/01/2112	राहु	02/01/2128	गुरु	02/03/2146

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 0 वर्ष 10 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में कुंभ लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन का नवमांश एवं तुला राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस लग्नादिक समन्वय स्थिति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जीवन का प्रारूप चमत्कृत नियमावली में अंकित है। आपका जीवन गप-शप एवं सुखद वातावरण में व्यतीत होगा तथा आप पर्याप्त धन-दौलत से युक्त संपन्न एवं आपका घर-परिवार प्रसन्न रहेंगे।

आप धनोपार्जन के कलाकार एवं मास्टर हैं। आप दूसरे के साथ उदार भावनाओं से युक्त सहायता करने वाले हैं। आप शीघ्रता पूर्वक पर्याप्त मात्रा में धनोपार्जन कर उसे सुरक्षित कर सकेंगे। आप निश्चित रूप से आलसी नहीं है। आप महत्वपूर्ण विषयों का गहनतापूर्वक अध्ययन कर उस कार्यक्रम को विकसित करने के प्रति रूचिवान रहेंगे। आप धर्म दर्शन शास्त्र का सदैव अध्ययन कर सकेंगे। आपके लिए कार्य-व्यवसायों में अनुकूल धार्मिक एवं दार्शनिक कार्य, ज्योतिषीय कार्य, भाषा ज्ञान का कार्य शैक्षणिक कार्य एवं राजनीति के कार्य लाभदायक पथ हैं। आप इन चिह्नित कार्य-व्यवसायों में से कोई भी कार्य व्यवसायों का चयन कर सकते हैं।

आप वास्तव में उच्च स्तरीय विषयों पर चिंतन करने से दिलचस्पी रखते हो। आप मृत्यु के पश्चात जीवन की क्या गति होती है। इसके संबंध में ज्ञान प्राप्त करना चाहते हो। आप यदा-कदा ऐसा सोचते है कि सभी कुछ को त्याग कर जीवन दर्शन का ध्यान साधना करें।

अन्यथा आप अपने कार्य व्यवसाय के संबंध में अत्यंत व्यस्त रहने वाले व्यवस्थित प्राणी हैं। आप भीड़-भाड़ से बच कर सिर के बल सर्वप्रथम प्रमुख विषयों का अध्ययन कर अपनी कार्य योजना को विकसित करने की कार्य शैली पर विचार करते हो। दूसरी बात यह है कि आप अपने पक्ष में उत्कृष्ट पहुंच प्राप्त करने के लिए सामर्थ्यवान है। आप विधि पूर्वक किसी भी कार्य को संपन्न करने हेतु सक्षम प्राणी हैं।

परंतु आपके सभी समर्पित कार्य विश्वसनीयता के माध्यम से संचालित होता है। बल्कि आप धनोपार्जन हेतु कोई गलत ढंग मार्ग या पहुंच नहीं चाहते। आप दूसरों के माध्यम से उपर्युक्त विषयों के संबंध में (खुलम खुल्ला) प्रत्यक्ष रूप से अव्यवस्थित मूल्यांकन करना नहीं चाहते। आपसे संबंधित कुछ मित्र विजय श्री प्राप्त करना चाहते हैं। परंतु आपको सतर्क रहना चाहिए। आप अत्यंत सावधान रह कर, अपने निकट संबंधियों का ध्यान रखें, क्योंकि कुछ लोग आपकी योजना के प्रति धोखा-धड़ी करके आपकी सफलता को अवरूद्ध कर स्वयं आगे निकल जाएं।

जहां तक आपके समक्ष स्वास्थ्य से संबंधित समस्याएं बिल्कुल ठीक है। परंतु आयु की वृद्धि के साथ-साथ कतिपय रोगादि सामान्य कुप्रभाव डाल सकते हैं, जिसके आधार पर आपको अधिक चिंताग्रस्त बना सकता है। अतः आप रक्तचाप, मिरगी, जॉनडिस, ट्यूमर आदि रोगों के प्रति समय-समय पर अपने चिकित्सक से विचार-विमर्श करना उत्तम होगा। आपके उत्तम घरेलू वातावरण के प्रभाव से भी आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आप अपने गृहस्थाश्रम के

संबंध में भाग्यशाली हैं, क्योंकि आपके जीवन में बुद्धिमती पत्नी एवं समझदार पुत्र आपके आनंददायक जीवन में सहायक होंगे।

ऐसा संदेह है कि आप प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं अथवा नहीं? आप एक अत्यंत समृद्धिशाली व्यक्ति के समान धनी हो जाओगे। परंतु कुछ समय के बाद आप आवश्यकता के अनुरूप अपने को बना लेंगे। आप में एक परिश्रमी कार्य कर्त्ता के गुण विद्यमान हैं तथा आप धैर्यपूर्वक किसी कार्य के परिणाम की प्रतीक्षा करते हैं। सब कुछ के बाद आप धन को ही प्राथमिकता नहीं देते तथा निरंतर इसके पीछे नहीं पड़े रहते हैं। परंतु मात्र सांसारिक आवश्यकता हेतु आवश्यक है।

आप सदैव अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक पर भरोसा रख सकते हैं तथा इस अंक की प्रधानता देते हुए इसका व्यवहार अपने जीवन में कर सकते है क्योंकि ये अंक आपके लिए हितकर है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंक आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, लाल, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु नारंगी, नीला एवं हरा रंग आपके लिए प्रतिकूल एवं अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शनिवार एवं शुक्रवार का दिन लाभदायक है। परंतु शेष सोमवार, मंगलवार एवं रविवार, का दिन अव्यवहारणीय है।